पाठ / LESSON-17

1.0 TEXT - 'चंपा, पढ़ लेना अच्छा है' (कविता / Poem)
2.0 PROSE ORDER
3.0 VOCABULARY
4.0 PARAPHRASE (भावानुवाद)
5.0 CENTRAL IDEA OF THE POEM (कविता का केंद्रीय भाव)
6.0 QUESTIONS AND ANSWERS

1.0 TEXT चंपा पढ़ लेना अच्छा है (Champa, it is good to be literate)

–त्रिलोचन शास्त्री

चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती
मैं जब पढ़ने लगता हूँ वह आ जाती है
खड़ी-खड़ी चुपचाप सुना करती है
उसे बड़ा अचरज होता है ;
इन काले चिह्नों से कैसे ये सब स्वर
निकला करते हैं ।

चंपा सुंदर की लड़की है
सुंदर ग्वाला है : गाय-भैंसें रखता है
चंपा चौपायों को लेकर
चरवाही करने जाती है ।

चंपा अच्छी है
चंचल है
नटखट भी है
कभी-कभी ऊधम करती है
कभी-कभी वह कलम चुरा लेती है
जैसे-तैसे उसे ढूंढ़कर जब लाता हूँ
पाता हूँ – अब कागज गायब
परेशान फिर हो जाता हूँ ।

चंपा कहती है :
तुम कागद ही गोदा करते हो दिन भर
क्या यह काम बहुत अच्छा है
यह सुनकर मैं हँस देता हूँ
फिर चंपा चुप हो जाती है ।

उस दिन चंपा आई, मैंने कहा कि
चंपा, तुम भी पढ़ लो
हारे गाढ़े काम सरेगा

गांधी बाबा की इच्छा है –
सब जन पढ़ना–लिखना सीखें
चंपा ने यह कहा कि
मैं तो नहीं पढ़ूँगी
तुम तो कहते थे गांधी बाबा अच्छे हैं
वे पढ़ने–लिखने की कैसे बात कहेंगे
मैं तो नहीं पढ़ूँगी ।

मैने कहा चंपा, पढ़ लेना अच्छा है
ब्याह तुम्हारा होगा, तुम गौने जाओगी,
कुछ दिन बालम सँग–साथ रह चला जाएगा जब कलकत्ता
बड़ी दूर है वह कलकत्ता
कैसे उसे संदेसा दोगी
कैसे उसके पत्र पढ़ोगी
चंपा पढ़ लेना अच्छा है ।

चंपा बोली : तुम कितने झूठे हो, देखा,
हाय राम, तुम पढ़–लिखकर इतने झूठे हो
मैं तो ब्याह कभी न करूँगी
और कहीं जो ब्याह हो गया
तो मैं अपने बालम को सँग–साथ रखूँगी
कलकत्ता मैं कभी न जाने दूँगी
कलकत्ते पर बजर गिरे ।

2.0 PROSE ORDER गद्य क्रम

पैरा–1

चंपा कागज पर लिखे काले–काले अक्षर नहीं पहचानती । जब मैं पढ़ना शुरू करता हूँ, तो वह पास खड़ी होकर चुपचाप सुनती है । इन काले अक्षरों को पढ़कर कैसे ये स्वर निकाले जाते हैं, यह देखकर उसे बड़ा आश्चर्य होता है ।

पैरा–2

चंपा सुंदर नाम के ग्वाले की बेटी है ।

सुंदर के पास गाय और भैंसें हैं । चंपा गाय–भैंसों को चराती है ।

पैरा–3

चंपा एक अच्छी लड़की है । वह चंचल और नटखट भी है । कभी–कभी शरारत भी करती है और मेरी कलम चुरा लेती है । किसी तरह से जब कलम ढूँढ़ लेता हूँ, तब पता लगता है, कागज़ भी गायब है । मैं फिर से परेशान हो जाता हूँ ।

पैरा–4

चंपा मुझसे पूछती है कि क्या लिखना इतना अच्छा काम है, तुम दिनभर लिखते रहते हो ?

पैरा–5

एक दिन जब चंपा आई तो मैंने उससे कहा कि तुम भी पढ़ना–लिखना सीख लो । मुश्किल में तुम्हारे काम आएगा ।

गांधी जी की इच्छा भी यही है कि सभी लोग पढ़ना–लिखना सीखें ।

चंपा ने कहा, मैं नहीं पढूँगी । और पूछा तुम तो गांधी जी को अच्छा कहते थे, तब वे पढ़ने–लिखने की बात कैसे कह सकते हैं ? मैं नहीं पढूँगी ।

पैरा–6

मैंने चंपा से कहा, पढ़ना–लिखना अच्छा है । जब तुम्हारा ब्याह होगा और गौने के बाद पति के घर जाओगी और तुम्हारा पति कुछ दिन तुम्हारे साथ रहकर काम–काज के लिए कलकत्ता चला जाएगा । कलकत्ता तो बहुत दूर है, तब उसे संदेश कैसे भेजोगी ? उसके पत्र कैसे पढ़ोगी ? इसलिए चंपा, पढ़ना–लिखना अच्छा है ।

पैरा–7

चंपा ने आश्चर्य से मुझे देखकर कहा, तुम कितना झूठ बोलते हो ? हाय राम, तुम पढ़ लिखकर भी इतना झूठ बोलते हो ।

मैं कभी विवाह नहीं करूँगी, और यदि विवाह हो भी गया तो हमेशा पति को साथ ही रखूँगी। उसे कलकत्ता कभी न जाने दूँगी । बिजली गिरे कलकत्ते पर ।

3.0 VOCABULARY

काले–काले	Black	गोदना	scribble
अक्षर	letter	हारे–गाढ़े	in difficult days
चीन्हती	recognises	इच्छा	wish
चुपचाप	silently	सरेगा	to be accomplished
अचरज	surprise	ब्याह	marriage
चिह्न	sign	गौना	the ceremony of the bride's returning to her husband's home after a post marriage interval
चौपाया	cattle		
चरवाई	grazing		
चंचल	playful	बालम	husband
नटखट	naughty	संदेशा	message
ऊधम	mischief	झूठे	liar
गायब	disappear	बजर (वज्र)	lightning, thunderbolt

4.0 Paraphrase

कवि एक चरवाहे की बेटी चंपा को साक्षर बनने के लिए प्रेरित करते हैं ।

पैरा–1

चंपा निरक्षर है । जब मैं बोलकर पढ़ता हूँ । तब वह उत्सुकता से मुझे सुनती है, उसे बहुत हैरानी होती है कि ये काले–काले अक्षर मुँह से कैसे बोले जा रहे हैं ?

पैरा–2

चंपा का परिचय देते हुए कवि कहता है कि चंपा सुंदर नाम के एक ग्वाले की बेटी है । सुंदर गाय–भैंस पालता है । चंपा उन गाय–भैंसों को चराने के लिए ले जाती है ।

पैरा–3

चंपा के स्वभाव का चित्रण करते हुए कवि आगे कहता है कि चंपा चंचल, नटखट और ऊधमी लड़की है । कभी कलम चुराकर तो कभी कागज चुराकर मुझे परेशान करती है ।

पैरा–4

लिखित भाषा के विषय में चंपा के कौतुहल का वर्णन करते हुए कवि कहता है कि मुझे दिनभर कागज़ पर लिखते हुए देखकर चंपा के मन में प्रश्न उठता है, क्या लिखना बहुत अच्छा काम है ?

पैरा–5

सभी लोगों में पढ़ने–लिखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कवि कहता है, मैंने एक दिन चंपा से कहा कि वह पढ़ना–लिखना सीखे । हमेशा काम आएगा । गांधी जी ने साक्षरता पर बल दिया था ।

चंपा पढ़ने-लिखने का महत्व नहीं समझ सकी और पूछने लगी कि गांधी बहुत अच्छे व्यक्ति हैं । फिर वे पढ़ने-लिखने की बात कैसे कर सकते हैं ? मैं तो नहीं पढूँगी ।

पैरा-6

पढ़ने-लिखने के महत्व पर बल देते हुए कवि चंपा को समझाता है कि जब विवाह के पश्चात तुम पति के घर जाओगी तो कुछ दिन बाद तुम्हारा पति काम-काज के लिए कलकत्ता जा सकता है । अगर तुमको पढ़ना-लिखना नहीं आता होगा तो उसको संदेशा कैसे भेज सकोगी ? वह अगर तुम्हें पत्र लिखेगा तो उस पत्र को कैसे पढ़ सकोगी । इसलिए पढ़ना-लिखना सीखना बहुत जरूरी है ।

पैरा-7

यह सुनकर चंपा अचरज में पड़ गई और बोली कि क्या पढ़-लिखकर भी व्यक्ति झूठ बोलता है ? मैं विवाह नहीं करूँगी और यदि विवाह हो भी गया तो हमेशा अपने पति को साथ रखूँगी । उसे अकेले कलकत्ता नहीं जाने दूँगी, कलकत्ते का सत्यानाश हो ।

5.0 CENTRAL IDEA OF THE POEM (कविता का केंद्रीय भाव)

इस कविता में कवि लड़कियों की साक्षरता पर बल देता है । और कहता है कि लड़कियों का भी साक्षर होना आवश्यक है । पढ़-लिख लेने पर जीवन सुगम हो जाता है । जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति भी उत्पन्न हो जाती है ।

6. QUESTIONS AND ANSWERS

प्रश्न–1. इस कविता के आधार पर चंपा का परिचय दीजिए ।

उत्तर चंपा एक ग्वाले की लड़की है । वह अनपढ़ है । वह गाय-भैंसों को चराने ले जाती है ।

प्रश्न–2. चंपा के स्वभाव का वर्णन कीजिए ।

उत्तर चंपा चंचल और नटखट स्वभाव की लड़की है । उसे शरारत करने में आनंद आता है । लिखे हुए शब्द को देखकर उसके मन में कौतुहल उत्पन्न होता है ।

प्रश्न–3. कवि क्या कहकर चंपा को साक्षर बनने के लिए प्रेरित करता है ?

उत्तर कवि चंपा से कहता है कि अगर तुम पढ़ना लिखना नहीं सीखोगी तो अपने पति को संदेश कैसे भेजोगी और उसका पत्र कैसे पढ़ोगी ।

प्रश्न–4. चंपा कवि को कैसे परेशान करती है ?

उत्तर चंपा कभी कवि की कलम चुरा लेती है तो कभी कागज़ छुपा देती है ।

— * —

पाठ / LESSON-18

1.0 ABOUT THE LESSON

2.0 TEXT समाचार पत्र (Newspaper)

1.0 ABOUT THE LESSON

This lesson is designed in the form of a mini news paper, it covers news items and reports on political, social, cultural and sports activities.

2.0 TEXT समाचार पत्र (Newspaper)

1. **हिमाचल में तीसरे दिन भूकंप के झटके** *नई दिल्ली : 20 दिसंबर* हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में रविवार सुबह फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए । यह झटका 3.5 तीव्रता से आया । शुक्रवार, शनिवार को भी चंबा में झटके आए थे ।	2. **कलाम पर बैक्टीरिया का नाम** *नई दिल्ली : 20 दिसंबर* नासा के वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा खोजे गए एक नए जीव को भारत के पूर्व राष्ट्रपति और अंतरिक्ष वैज्ञानिक ए पी जे अब्दुल कलाम का नाम दिया है । नासा की प्रयोगशाला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के फिल्टरों में इस जीवाणु को खोजा ।
3. **लोगों को मरने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता है** *नई दिल्ली : 20 दिसंबर, कार्यालय संवाददाता द्वारा* राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली में प्रदूषण के जानलेवा स्तर तक पहुँचने पर केंद्र, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा सरकार को नोटिस भेजा है । साथ ही, कहा कि सरकार जहरीली धुंध के कारण अपने नागरिकों को मरने के लिए नहीं छोड़ सकती । आयोग ने इस खतरे से निपटने के लिए उचित कदम नहीं उठाने को लेकर प्राधिकारियों की निंदा की । आयोग ने सरकारों से हालात से निपटने के लिए उठाए जा रहे एवं प्रस्तावित कदमों की दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है ।	4. **पहली बार, दूसरे सोलर सिस्टम की कोई चीज हमारी आकाशगंगा में आई** *एजेंसियाँ, वाशिगंटन* अंतरिक्ष में एक रहस्यमय चीज के दिखने से नासा के वैज्ञानिक हैरान हैं । माना जा रहा है कि ऐसा पहली बार है कि बाहर से हमारी आकाशगंगा में कोई वस्तु आई है । वैज्ञानिकों के अनुसार यह कोई धूमकेतु या कॉमेट हो सकता है । यह चीज दिखने में काफी छोटी थी लेकिन काफी तेजी से घूमती नजर आ रही थी । उनके अनुमान के मुताबिक इसकी स्पीड 15 माइल प्रति सेकंड थी । साथ ही हाल में ही यह पृथ्वी के ऑर्बिट से करीब 15 मिलियन की दूरी से गुजरी थी । इसका नाम फिलहाल 'ए/2017यूआई' रखा गया है और इससे पृथ्वी को किसी भी तरह का खतरा होने की बात से इन्कार किया गया है ।

5. **इमरजेंसी में इन्टरनेट बंद करना आसान नहीं**

संवाददाता

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वे लॉ एंड ऑर्डर या ऐसे मुद्दों के आधार पर जब भी किसी खास क्षेत्र में इन्टरनेट सेवा को बंद करें तो इसके लिए बनी नीति के तहत ही करें । साथ ही इसके लिए जरूरी मानकों को भी फॉलो करने को कहा है ।

6. **सिम का क्लोन बनाकर ठगी का नया धंधा**

नई दिल्ली : 20 दिसंबर

अगर आप मोबाइल नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर कंपनी के कस्टमर केयर को सिम नंबर की कोई जानकारी दे रहे हैं, तो जरा सावधान हो जाइए। कहीं ऐसा न हो कि शातिर ठग आपके सिम का क्लोन तैयार कर बैंक खाते से जीवन भर की गाढ़ी कमाई हड़प लें ।

7. **1.7 लाख को एयर लिफ्ट कराने वाले मैथ्यु नहीं रहे**

मुंबई 20 दिसंबर

रियल स्टोरी पर बनी फिल्म एयर लिफ्ट को भारतीय दर्शकों के साथ दुनिया भर में तारीफें मिलीं । असल जिंदगी में एयर लिफ्ट के नायक मैथुनी मैथ्यु थे जिनका 81 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को कुवैत में निधन हो गया है । इराक जंग के दौरान कुवैत से 1 लाख 70 हजार भारतीयों को सुरक्षित निकालने में मैथ्यु ने अभूतपूर्व मदद की ।

8. **दिल्ली के चिड़ियाघर में एक साल में 171 वन्य जीवों की मौत**

नई दिल्ली 20 दिसंबर

एक वर्ष के भीतर दिल्ली चिड़ियाघर में वन्यजीवों की मृत्यु के मामलों में दो गुना का इजाफा हुआ है । बीते वर्ष दिल्ली के चिड़ियाघर में गर्मी और सर्दी से सबसे अधिक मौतें हुईं ।

9. **बारिश से मौसम हुआ सुहाना**

नई दिल्ली 20 दिसंबर

रविवार वीकेंड का दिन राजधानीवासियों के लिए तापमान में आई तेजी से न्यूनतम आर्द्रता के लिए खास व राहत भरा रहा । राजधानी के कुछ हिस्सों में सुबह करीब साढ़े छह बजे तेज हवाओं के साथ पहले हल्की बूँदाबाँदी हुई । फिर शाम चार बजे विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समय पर हुई रिमझिम बारिश । इसके पहले धूलभरी तेज हवा चली, लेकिन बाद में हुई बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया ।

10. **मेरी कॉम ने पक्का किया अपना छठा मेडल**

एजेंसियां, हो चि मिन्ह सिटी (वियतनाम)

दिग्गज बॉक्सर एम सी मेरी कॉम ने एशियाई महिला बॉक्सिंग चौंपियनशिप में पहुँचकर इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना छठा मेडल पक्का किया ।

11. **भारत में फैला फुटबॉल**	12. **महिला क्रिकेट टीम ने जीती चार देशों की सीरीज**
एजेंसियाँ, कोलकाता	*हमारे विशेष संवाददाता द्वारा*
फीफा प्रेजिडेंट जियानी इनफैनटिनो ने कहा है कि भारत अब फुटबॉल कंट्री बन गया है। जियानी गुरुवार को यहाँ पहुँचे । उन्हें आज फीफा काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करनी है । इसके बाद वह शनिवार को अंडर–17 वर्ल्ड कप के फाइनल के दौरान भी मौजूद रहेंगे और विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करेंगे ।	भारतीय महिलाओं ने वर्ल्ड कप से पहले बड़ा टूर्नामेंट जीत लिया है । उसने चार देशों के वनडे टूर्नामेंट के फाइनल में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट से पराजित किया । टूर्नामेंट में भारत, दक्षिण अफ्रीका के अलावा आयरलैंड और जिंबाब्वे की टीमों ने हिस्सा लिया । आई सी सी वर्ल्ड कप 24 जून से इंग्लैंड में खेला जाएगा ।

SPECIAL FEATURES

Note the following features in the mode of presentation of news items and the language used in them.

(a) Headlines are short and crisp and reflect the gist of news, e.g.

कलाम पर बैक्टीरिया का नाम

बारिश से मौसम हुआ सुहाना

(b) Generally newspapers collect news from two major sources

i) News agencies which supply news through a centralised media network like,
प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, समाचार भारती, युनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया

ii) Reporters and correspondents of individual newspapers viz.

विशेष प्रतिनिधि	special representative
खेल संवाददाता	sports reporter

(c) Credits for such news agencies are recorded in the beginning of the news item, such as —

वार्ता	–	यूनाइटेड इंडिया वार्ता
प्रे. ट्र.	–	प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया
रा.	–	रायटर
स. भा.	–	समाचार भारती
यु. न्यू.	–	युनाइटेड न्यूज

Credits for individual reporters and correspondents are also similarly recorded, e.g.

हमारे विशेष संवाददाता द्वारा by our special correspondent

हमारे विशेष प्रतिनिधि द्वारा	by our special representative
खेल संवाददाता द्वारा	by sports correspondent

(d) When a news item is unconfirmed or the reporter does not intend to disclose the source of the news, the following types of phrases are used.

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार	from reliable sources
मालूम हुआ है कि	it is learnt that

(e) In the newspaper, while reporting statement of persons, indirect speech is normally preferred. In Hindi, however, there is no significant distinction between direct and indirect speech forms, except that the inverted commas are dropped and कि is optionally used. In Hindi there is no change of pronouns and tense in the verbs as is done in English usage, e.g.

Direct : सिंधिया ने कहा, पाठ्य पुस्तकों को संशोधित करने की जरूरत है ।

Indirect : सिंधिया ने कहा कि पाठ्य पुस्तकों को संशोधित करने की जरूरत है ।

You will note that there is no significant changes in the two forms.

— * —

पाठ / LESSON-19

1.0 TEXT हम सब सुमन एक उपवन के (कविता / Poem)
2.0 कविता का गद्य रूप (PROSE ORDER)
3.0 VOCABULARY
4.0 भावार्थ (PARAPHRASE)
5.0 QUESTIONS & ANSWERS

1.0 TEXT **हम सब सुमन एक उपवन के (We, the flowers of the same garden)**

– द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

1. हम सब सुमन एक उपवन के ।
एक हमारी धरती सबकी
जिसकी मिट्टी में जनमे हम ।
मिली एक ही धूप हमें है
सींचे गए एक जल से हम ।।
पले हुए हैं झूल–झूलकर
पलनों में हम एक पवन के ।
हम सब सुमन एक उपवन के ।।

2. रंग–रंग के रूप हमारे
अलग–अलग है क्यारी–क्यारी ।
लेकिन हम सबसे मिलकर ही
इस उपवन की शोभा सारी ।।
एक हमारा माली, हम सब
रहते नीचे एक गगन के ।
हम सब सुमन एक उपवन के ।।

3. काँटों में खिलकर हम सबने
हँस–हँसकर है जीना सीखा ।
एक सूत्र में बँधकर हमने

हार गले का बनना सीखा ।।
सबके लिए सुगंध हमारी,
हम शृंगार धनी-निर्धन के ।
हम सब सुमन एक उपवन के ।।

2.0 कविता का गद्य रूप (PROSE ORDER)

पद–1

हम सब एक उपवन के सुमन हैं । हम सबकी धरती एक है, उसी की मिट्टी में हम जन्मे हैं । हमें एक ही जैसी धूप मिली है और हम एक ही जल से सींचे गए हैं । हम एक ही पवन के पालने में झूल झूलकर पले हैं । हम सब एक उपवन के सुमन हैं ।

पद–2

हमारे रूप रंग अलग-अलग हैं । हमारी क्यारी भी अलग-अलग है । लेकिन इस उपवन की सारी शोभा हम सबसे मिलकर है । हम सब एक ही गगन के नीचे रहते हैं और हमारा माली भी एक ही है । हम सब एक ही उपवन के फूल हैं ।

पद–3

हम सब ने काँटों में खिलकर हँस-हँसकर जीना सीखा है । एक सूत्र में बंधकर हमने गले का हार बनना सीखा है । हमारी सुगंध सबके लिए है चाहे धनी हो या निर्धन, हम सबके शृंगार हैं । हम सब एक ही उपवन के सुमन हैं ।

3.0 VOCABULARY

पद-1			
सुमन	flower	मिट्टी	Soil
उपवन	garden	जनमे	to be born
धरती	Earth	धूप	sunshine
सींचना	to water (irrigate)	जल	water
पलना	to grow	झूल-झूलकर	to swing
पलना	cradle	पवन	air
पद - 2			
रंग	colour	क्यारी	bed of flowers
रूप	form	शोभा	grace

अलग	separate		
माली	gardener	गगन	sky
पद - 3			
कांटे	thorns	जीना	to live
बाँधना	to tie	खिलना	to bloom
सीखना	to learn	हार	garland
हँसना	to laugh	सूत्र	thread
सुगंध	fragrance	निर्धन	poor
शृंगार	adornation	धनी	rich

भावार्थ

द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी ने इस कविता में अनेकता में एकता के भाव को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है ।

कवि ने इस कविता में बच्चों के माध्यम से एकता की भावना जगाते हुए कहा कि :-

हम सब एक ही बगीचे के फूलों की तरह हैं । हम सब जाति, धर्म और पंथ की भावना से मुक्त हैं । कवि कहना चाहता है कि हम अलग-अलग होते हुए भी एक हैं ।

पद - 1

हम सब एक ही बगीचे के फूलों की तरह हैं । हम सबकी धरती एक है और हम सब उसी से जन्मे हैं । हम सभी को एक ही प्रकार की धूप मिली है और एक ही जल से सींचे गए हैं । अर्थात हमारी परवरिश समान भारतीय परिवेश में हुई है । हम सब एक ही बगीचे के फूलों की तरह हैं ।

हम जिस पालने में झूल-झूलकर बड़े हुए हैं, उसे एक ही पवन ने झुलाया है । हम सब एक बगीचे के फूलों की तरह हैं ।

पद - 2

हमारे रंग-रूप में भले ही विभिन्नता है, हम अलग-अलग प्रांतों में पले-बढ़े हैं । लेकिन हम इस देश की शोभा इसी प्रकार बढ़ा रहे हैं जिस प्रकार बगीचे में अलग-अलग क्यारियों में खिलने वाले फूल बगीचे की शोभा बढ़ा रहे हैं ।

जिस तरह एक माली बगीचे में लगे हुए फूलों की देखभाल करता है उसी तरह हम सबका जन्मदाता, पालन-पोषण करने वाला एक ईश्वर है । हम उसी की छत्र-छाया में रह रहे हैं ।

पद - 3

कष्टों और अभावों में भी हमने खुशी-खुशी जीवन को जीना सीखा है । हमने आपस में मिलजुलकर रहना सीखा है । हम सब प्रेम और एकता के सूत्र में बंधकर देश का सम्मान बढ़ा रहे हैं; उसी तरह जैसे माला व्यक्ति की शोभा बढ़ाती है।

हमारे लिए सभी समान हैं । सबके भीतर परोपकार की भावना है । हम सब एक हैं ।

4.1 कविता का केंद्रीय भाव

भारत विविधताओं का देश है । अनेक प्रांतों, धर्मो, जातियों, वर्गों, भाषाओं के होते हुए भी हम सब एकता के सूत्र में बंधे हुए हैं । 'अनेकता में एकता' हमारी विशेषता है ।

5.0 प्रश्न और उत्तर

प्रश्न–1. 'हम सब सुमन एक उपवन के' का क्या तात्पर्य है ?

उत्तर इन पंक्तियों का तात्पर्य है 'अनेकता में एकता' ।

प्रश्न–2. कवि धरती, मिट्टी, धूप और जल के माध्यम से क्या बताना चाहता है ?

उत्तर कवि इन तत्वों से सबके पालन-पोषण की बात बताता है । उपर्युक्त सभी तत्व समान रूप से सबके विकास में सहायक हैं।

प्रश्न–3. इस कविता में माली से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर माली से तात्पर्य है हमारा पालन-पोषण करने वाला, सृष्टि का निर्माता, ईश्वर ।

प्रश्न–4. 'अलग-अलग है क्यारी-क्यारी लेकिन हम सबसे मिलकर ही, इस उपवन की शोभा सारी' का भाव स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर विभिन्न प्रांतों, धर्मों, जातियों, वर्गों भाषाओं के होते हुए भी सब भारतीय हैं। भारत की शोभा इसी एकता में है ।

प्रश्न–5. इस कविता से हमें क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर इस कविता में कवि ने एकता का संदेश दिया है ।

— * —

पाठ / LESSON-20

1.0 सार लेखन / संक्षेपण (PRECIS WRITING)
1.1 ABOUT PRECIS WRITING
2.0 पल्लवन (DEVELOPING A STORY)
2.1 ABOUT DEVELOPING A STORY

1.0 सार लेखन / संक्षेपण (PRECIS WRITING)

1.1 ABOUT PRECIS WRITING

Precis-writing is summarizing a given text incorporating all the essential points contained in it.

Normally, the length of precis should not be more than one third of the original passage.

The precis should convey the important details of the original passage. Repetition and borrowing of words and phrases from the original text should be avoided as far as possible.

The precis should not contain any view point other than those expressed in the original text.

Read the given text thoroughly, note down the points on a separate paper, develop the points into a precis. Give a suitable title to it.

You might find the given Hindi text for precis-writing a bit difficult as it may contains some unfamiliar words and phrases. However, in the lesson-unit contextual meaning of difficult words and phrases is already given. With their help you should try to understand the broad ideas contained in the passage.

1.2 Make a precis of the following passage.

उदाहरण–1

प्रत्येक राष्ट्र के जीवन-निर्वाह के लिए यह आवश्यक है कि देश की प्राकृतिक संपत्ति की रक्षा की जाए तथा उस संपत्ति को उन्नति देने के पूरे-पूरे प्रयत्न किए जाएँ । देश की कृषि, देश की खानों की पैदावार तथा देश की दस्तकारी की बिना रक्षा किए, बिना उसकी उन्नति किए तथा बिना देश के धन को देश से बाहर जाने से रोके किसी भी देश में बच्चों का पालन अथवा उन्हें दरिद्रता तथा दुष्काल के भयंकर परिणामों से बचाना सर्वथा दुष्कर है । साथ ही हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि राष्ट्रीय जीवन तथा राष्ट्रीय उन्नति के लिए देश की प्राकृतिक संपत्ति को उन्नति देने की अपेक्षा देश की मानसिक और नैतिक संपत्ति को उन्नति देना अधिक आवश्यक कार्य है । जो राष्ट्र अपनी मानसिक संपत्ति की उचित रक्षा करता है तथा उसे उन्नत बनाने के पूरे-पूरे प्रयत्न करता है, केवल वह राष्ट्र ही मान, उत्साह तथा स्वतंत्रता के साथ

इस संसार में जीवित रह सकता है । राष्ट्र के बालक-बालिकाएँ राष्ट्र की मानसिक और नैतिक संपत्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्ति से अधिक मूल्यवान और महत्व की हैं। जो राष्ट्र इस धन की उचित रक्षा और उन्नति नहीं करता वह उन्नति के पथ से हटकर अवनति के गड्ढे की ओर फिसलने लगता है ।

जिस संपत्ति की ओर हम अभी संकेत कर आए हैं, उनकी रक्षा और वृद्धि उचित शिक्षा के प्रभाव से ठीक-ठीक तभी हो सकती है, जब हम अपने कर्तव्यों तथा अधिकारों को समझें और अपने अधिकारों को पूरा करने और अपने अधिकारों को प्राप्त करने के लिए कटिबद्ध हों । कर्तव्य-विमूढ़ परतंत्र देशों के लोग अत्यंत लाभप्रद तथा रत्नगर्भा भूमि में रहते हुए भी निर्धन बने रहते हैं । अशिक्षित और अज्ञानांधकार में डूबे हुए दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के आदिवासी अपने पैरों के नीचे सोने की खानें रखते हुए भी कंगाल हैं । वास्तव में किसी देश की प्राकृतिक संपत्ति की रक्षा तथा वृद्धि उस देश की मानसिक संपत्ति की रक्षा तथा वृद्धि पर ही निर्भर है ।

संक्षेपण

किसी राष्ट्र को समृद्ध तथा उन्नत बनाने के लिए उस राष्ट्र की प्राकृतिक संपदा की रक्षा तथा वृद्धि आवश्यक है । राष्ट्र के बालक-बालिकाओं को भी राष्ट्र–संपत्ति समझा जाता है, जिनके भविष्य की रक्षा राष्ट्र के मानसिक और नैतिक उत्थान से ही संभव है । अधिकारों और कर्तव्यों के सम्यक् ज्ञान से मानसिक और नैतिक उन्नति की रक्षा की जा सकती है, जिसके अभाव में राष्ट्र की प्राकृतिक संपदा की भी रक्षा नहीं की जा सकती ।

1.3 उदाहरण-2

समस्त भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता उसके मूल में स्थित समन्वय की भावना है । उसकी यह विशेषता इतनी प्रमुख तथा मार्मिक है कि केवल इसी के बल पर संसार के अन्य साहित्यों के सामने वह अपनी मौलिकता की पताका फहरा सकता है और अपने स्वतंत्र अस्तित्व की सार्थकता प्रमाणित कर सकता है । जिस प्रकार धार्मिक क्षेत्र में भारत के ज्ञान, भक्ति तथा कर्म के समन्वय प्रसिद्ध हैं, ठीक उसी प्रकार साहित्य तथा अन्य कलाओं में भी भारतीय प्रकृति समन्वय की ओर रही है । साहित्यिक समन्वय से हमारा तात्पर्य साहित्य में प्रदर्शित सुख-दुख, उत्थान-पतन, हर्ष-विषाद आदि विरोधी तथा विपरीत भावों के समीकरण तथा एक अलौकिक आनंद में उनके विलीन हो जाने में है । साहित्य के किसी अंग को लेकर देखिए, सर्वत्र यही समन्वय दिखाई देगा । भारतीय नाटकों में ही सुख और दुख के प्रबल घात-प्रतिघात दिखाए गए हैं, पर सबका अवसान आनंद में ही किया गया है । इसका प्रधान कारण यह है कि भारतीयों का ध्येय सदा से जीवन का आदर्श स्वरूप उपस्थित करके उसका उत्कर्ष बढ़ाने और उसे उन्नत बनाने का रहा है । वर्तमान स्थिति से उसका इतना संबंध नहीं है, जितना भविष्य की संभाव्य उन्नति से है । हमारे यहाँ यूरोपीय ढंग के दुखांत नाटक इसीलिए नहीं दीख पड़ते हैं । यदि आजकल ऐसे नाटक दिखाई पड़ने लगे हैं, तो वे भारतीय आदर्श से दूर और यूरोपीय आदर्श के अनुकरण मात्र हैं ।

संक्षेपण

भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी एवं मौलिक विशेषता उसके मूल में विद्यमान समन्वय की भावना है । यहाँ के साहित्य का चरम लक्ष्य आनंद की प्राप्ति है । जिसमें सुख-दुख दोनों का मिश्रण रहता है ।

आजकल जो कभी-कभी दुखांत साहित्य दिखलाई पड़ने लगता है, उसका कारण पश्चिम की नकल है ।

उक्त अवतरण का शीर्षक दिया जा सकता है 'भारतीय साहित्य की मौलिक विशेषता' ।

1.4 उदाहरण-3

आधुनिक शिक्षा-प्राप्त स्त्रियाँ अच्छी गृहिणियाँ नहीं बन सकतीं, यह प्रचलित धारणा पुरुष के दृष्टि बिंदु से देखकर ही बनाई गई है, स्त्री की कठिनाई को ध्यान में रखकर नहीं । एक ही प्रकार के वातावरण में पले और शिक्षा पाए हुए पति-पत्नी के जीवन तथा परिस्थितियों की यदि हम तुलना करें तो संभव है आधुनिक शिक्षित स्त्री के प्रति कुछ सहानुभूति का अनुभव कर सकें । विवाह से पुरुष को तो कुछ छोड़ना नहीं पड़ता और न उसकी परिस्थितियों में ही कोई अंतर आता है, परंतु इसके विपरीत स्त्री के लिए विवाह मानो एक परिचित संसार को छोड़कर नवीन संसार में जाना है, उसका जीवन नवीन होगा। पुरुष के मित्र, उसकी जीवनचर्या, उसके कर्तव्य सब पहले जैसे ही रहते हैं और वह अनुदार न होने पर भी शिक्षित पत्नी के परिचित मित्रों, अध्ययन तथा अन्य परिचित दैनिक कार्यों के अभाव को नहीं देख पाता । साधारण परिस्थिति होने पर भी घर में इतर कार्यों से स्त्री को अवकाश रहता है, संयुक्त कुटुंब न होने से बड़े परिवार की उलझनें भी नहीं घेरे रहतीं । उसके लिए पुरुष मित्र वर्ज्य हैं और उसे मित्र बनाने के लिए शिक्षित स्त्रियाँ मिलती हैं। अत: एक विचित्र अभाव का बोध उसे होने लगता है । कभी-कभी पति के आने-जाने जैसी छोटी बातों में बाधा देने पर वह विरक्त भी हो उठती है । अच्छी गृहिणी कहलाने के लिए उसे केवल पति की इच्छा के अनुसार कार्य करने तथा मित्रों और कर्तव्यों के अवकाश के समय उसे प्रसन्न रखने के अतिरिक्त और विशेष कुछ नहीं करना होता, परंतु यह छोटा-सा कर्तव्य उसके महान् अभाव को नहीं भर पाता ।

संक्षेपण

आज भी भारतीय शिक्षित नारी को अच्छी गृहिणी के रूप में न देख पाना पुरुषों की एकांगी दृष्टि का परिणाम है । विवाह के बाद बदली हुई उसकी मन: स्थिति तथा परिस्थिति की कठिनाइयों को नहीं देखा जाता । उसकी रुचियों और भावनाओं की उपेक्षा की जाती है । पुरुष यदि अपने सुख के साथ पत्नी के सुख का भी ध्यान रखे तो वह अच्छी गृहिणी सिद्ध हो सकती है ।

2.0 पल्लवन (DEVELOPING A STORY)

2.1 ABOUT DEVELOPING A STORY

You are aware that the purpose of learning a new language includes not only comprehensing a text or speech in the language but also expressing oneself in that language clearly and in a simple and lucid style. Thus the learner will be able to do this on the basis of the still he acquire by assimilating different structural patterns, idioms and phrases of the new language.

Developing a story is one of the tests of a student's competence to express himself in the new language. In this lesson we shall give outlines of a few short stories as also the completed stories, as models, on the basis of the given outlines. For developing a story out of

the given points you must have the whole plot of the story clear in your mind and the points, arranged in proper sequence. An outline is only a skeleton. You have to clothe the skeleton with flesh and influse life into it.

In this lesson, there are outlines of two stories along with their developed forms.

Note the following important points before your start writing a story.

a) You should read the outlines carefully and try to grasp the plot of the story.

b) Read the developed story marking the points missing in the outline.

c) Refer to vocabulary wherever necessary.

d) (i) Now try to develop these outlines on your own without copying from the model of developed stories in the lesson. Wherever necessary, you should introduce a dialogue to make the story more natural and real.

(ii) You should be particular about the sequence of the events to be included. Remember that the outline itself suggests the sequence of events.

(iii) The given points should be so co-related that whatever is written should be read as a coherent piece of good composition.

(iv) Your sentence should be grammatically correct and the language you use, should be simple and natural.

e) Compare your story with the model given in the lesson. Remember that your way of expression and the presentation may differ but you should ensure that the story covers up all the given points.

f) Give a suitable caption (title) to the story developed by you.

Read the following outline of a story :-

2.1 उदाहरण–1

एक किसान ..... बड़ा परिवार ..... चार बेटे ..... आपस में झगड़ना ..... किसान उदास ..... एक विचार ..... जंगल जाना ..... लकड़ियों का गट्ठर ..... एक–एक लकड़ी ..... बेटों से तुड़वाना ..... आसानी से तोड़ना ..... फिर गट्ठर तुड़वाना ..... सबका असमर्थ होना ..... किसान का समझाना ..... एकता में बल।

पल्लवन

एक किसान था । उसके परिवार में पत्नी और एक बेटी के अलावा चार बेटे भी थे । उसके बेटे छोटी–छोटी बातों पर आपस में लड़ाई–झगड़ा करते थे। इस कारण किसान बहुत उदास रहता था । उसने अपने बेटों को कई बार समझाया किंतु उनका लड़ना–झगड़ना कम नहीं हुआ । एक दिन किसान के मन में

एक विचार आया । वह कुल्हाड़ी लेकर जंगल गया । वहाँ उसने कुछ लकड़ियाँ तोड़ीं । लकड़ियों का गट्ठर बनाकर वह घर ले आया । उसने अपने बेटों को बुलाया और कहा, "उस गट्ठर में से एक-एक लकड़ी लो और उसे तोड़ो ।" बेटों ने एक-एक लकड़ी ली और आसानी से तोड़ डाली । तब किसान ने उनसे कहा, "अब इस पूरे गट्ठर को तोड़ो।" सब ने जोर लगाया किंतु उस गट्ठर को तोड़ने में असमर्थ रहे। किसान ने बेटों को समझाया, "अब तो तुम समझ गए न ? अकेले-अकेले रहे तो कोई भी तुम्हें नुकसान पहुँचा सकता है । यदि मिलजुलकर रहोगे तो कोई तुम्हारा कुछ बिगाड़ नहीं पाएगा। क्योंकि एकता में बल होता है ।"

4.2 उदाहरण-2

जंगल में शेर ..... जानवरों को मारकर खाना ..... जानवर परेशान ..... सबका पंचायत बुलाना ..... विचार-विमर्श करना ..... निर्णय लेना ..... बारी-बारी से शेर का भोजन बनना ..... शेर से निर्णय मानने का अनुरोध करना ..... खरगोश की बारी ..... देर से पहुँचना ..... शेर का नाराज होना ..... खरगोश द्वारा झूठी कहानी सुनाना ..... पहले दूसरे शेर से निबटना ..... कुएँ में परछाईं देखना ..... शेर का कुएँ में छलाँग लगाना।

पल्लवन

एक जंगल में एक शेर रहता था । वह जब-तब जंगल के अन्य जानवरों पर हमला करता, उन्हें मार देता। इस कारण सभी जानवर बहुत परेशान थे । एक दिन सभी जानवरों ने पंचायत बुलाई । इस पंचायत में लोमड़ी, भालू, हाथी, हिरन, भैंसा, भेड़िया, जंगली सुअर, बंदर, खरगोश आदि एकत्रित हुए । इस समस्या पर सभी ने विचार-विमर्श किया ।

सभी ने मिलकर यह निर्णय लिया कि प्रति दिन शेर के पास एक जानवर सवेरे-सवेरे जाएगा जिसे खाकर शेर अपनी भूख शांत कर लिया करेगा । सबने शेर से यह निर्णय मान लेने का अनुरोध किया । इस प्रकार प्रतिदिन शेर के पास एक-एक जानवर बारी-बारी से जाने लगा। एक दिन शेर के पास जाने की बारी एक खरगोश की थी। वह जानबूझकर शेर के पास देर से पहुँचा । शेर उस पर बहुत नाराज हुआ । तब खरगोश ने शेर को एक झूठी कहानी सुनाई । उसने बताया कि वह तो सवेरे-सवेरे आ ही रहा था । रास्ते में एक दूसरे शेर ने उसे मारने की कोशिश की । तब खरगोश ने उसे बताया कि वह उसे नहीं मारे । यदि मार दिया तो हमारे शेर राजा बहुत नाराज हो जाएंगे और आपको छोड़ेंगे नहीं। दूसरे शेर ने खरगोश से कहा कि मैं ही इस जंगल का राजा हूँ और सबसे बलवान हूँ । तुम्हारे राजा मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ पाएंगे । यह सुनकर शेर को बहुत गुस्सा आया। उसने दहाड़ मारकर कहा, "ठीक है, तुम्हें तो मैं बाद में खाऊँगा । पहले मुझे उस दुष्ट शेर के पास ले चलो जो अपने आपको इस जंगल का राजा कहता है ।" खरगोश उसे एक कुएँ के पास ले गया और कहने लगा, "राजन वह दुष्ट शेर इसी कुएँ में छिपा बैठा है ।" शेर ने क्रोधित होकर कुएँ में झाँककर देखा। कुएँ में उसे अपनी परछाईं दिखाई दी । उसे दूसरा शेर समझकर शेर ने कुएँ में छलाँग लगा दी और मारा गया । जंगल के सभी जानवर खरगोश की चतुराई के कारण सुख से रहने लगे ।

— * —

सत्यमेव जयते

पत्राचार पाठयक्रम विभाग
DEPARTMENT OF CORRESPONDENCE COURSES

केंद्रीय हिंदी निदेशालय
Central Hindi Directorate

हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी माध्यम)
DIPLOMA COURSE IN HINDI (English Medium)

उत्तर पत्र 17-20 **Response Sheets 17-20**

R.S. received by the { Student on : ..... / Directorate on : ..... }

प्राप्तांक Marks	17	..... / 20	18	..... / 20	19	..... / 20	20	..... / 20

PLEASE ALWAYS QUOTE YOUR ROLL NO. IN ALL CORRESPONDENCE WITH US

कृपया छात्र अपना रोल नंबर एवं पता नीचे लिखें।
FILL UP THE FOLLOWING IN BLOCK LETTERS

रोल नं / Roll No. | | | **छात्र की मातृभाषा Mother tongue of the student** .....

कु./श्रीमती/श्री / Kum./Smt./Shri .....

पता / Postal Address .....

.....

.....

..... **पिन / PIN** | | | | | | |

मूल्यांकन के लिए उत्तर पत्र इस पते पर भेजें :	**Filled-in Response Sheets are to be sent to :**
उप निदेशक पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग केंद्रीय हिंदी निदेशालय पश्चिमी खंड-VII राम कृष्ण पुरम नई दिल्ली 110066 [भारत]	The Deputy Director Dept. of Correspondence Courses Central Hindi Directorate West Block VII Rama Krishna Puram New Delhi - 110066 [INDIA]

Please read your lessons carefully before answering the Response Sheets.

प्रश्न : 1. 'चंपा पढ़ लेना अच्छा है' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 2. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए :-

(क) चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती
मैं जब पढ़ने लगता हूँ वह आ जाती है
खड़ी-खडी चुपचाप सुना करती है
उसे बड़ा अचरज होता है
इन काले-काले चिह्नों से कैसे ये सब स्वर
निकला करते हैं ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) मैंने कहा, चंपा पढ़ लेना अच्छा है
ब्याह तुम्हारा होगा, तुम गौने जाओगी
कुछ दिन बालम संग-साथ रह चला जाएगा जब कलकत्ता
बड़ी दूर है वह कलकत्ता
कैसे उसे संदेशा दोगी
कैसे उसके पत्र पढ़ोगी
चंपा पढ़ लेना अच्छा है ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 3. कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(क) इस कविता के आधार पर बताइए कि गांधी जी की क्या इच्छा थी ?

.....

.....

.....

.....

(ख) कवि चंपा को पढ़ने के लिए कैसे प्रेरित करता है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ग) किसी लड़की को आप पढ़ने के लिए कैसे प्रेरित करेंगे ?

.....

.....

.....

.....

(घ) चंपा क्यों कहती है कि कलकत्ते (कलकत्ता) पर बजर गिरे ।

.....

.....

.....

.....

.....

(ङ) कवि चंपा से क्यों परेशान हो जाता है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 4. निम्नलिखित वाक्यों के सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए ।

(क) हारे-गाढ़े का तात्पर्य है

(1) कठिन समय ☐

(2) हार का समय ☐

(3) विवाह का समय ☐

(ख) चंपा अपने बालम को संग-साथ रखना चाहती है क्योंकि

(1) कलकत्ता जाने के लिए उसके पास पैसे नहीं है । ☐

(2) कलकत्ता बहुत दूर है, उसे पत्र लिखना पड़ेगा । ☐

(3) कलकत्ता सुनसान जगह है । ☐

(ग) ''तुम कागद ही गोदा करते हो'' का अर्थ है ।

(1) कागज पर छेद करना ☐

(2) कागज पर लिखना ☐

(3) कागज को तोड़ना-मरोड़ना ☐

(घ) ''सब जन पढ़ना-लिखना सीखें'' किसने कहा

(1) चंपा ने ☐

(2) कवि ने ☐

(3) गांधी जी ने ☐

प्रश्न : 5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-

अचरज

.....

.....

.....

ऊधम

.....

.....

.....

दैनिक

.....

.....

.....

परेशान

.....

.....

.....

ब्याह

.....

.....

.....

Comments & Instructions

1. Improvements needed

   (a) Spellings

   (b) Grammar Points

   (c) Structures

2. General assessment of the performance.

Excellent	Very good	Good	Fair	Poor (Needs improvement)

Name of the Evaluator

Signature of the Evaluator with date

प्रश्न : 1. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर समाचार बनाइए :-

(क) समुद्र में आया तूफान

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) कबड्डी मैच

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ग) सड़क दुर्घटना

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(घ) सफाई अभियान

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ङ) मौसम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(च) बाजार भाव

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 2. अपनी भाषा के दो और हिंदी भाषा के दो समाचार पत्रों के नाम लिखिए ।

अपनी भाषा के (1) .....

(2) .....

हिंदी भाषा के (1) .....

(2) .....

प्रश्न : 3. आपके क्षेत्र में अपनी भाषा और हिंदी भाषा का कौन-सा समाचार पत्र सबसे अधिक पढ़ा जाता है।

अपनी भाषा का .....

हिंदी भाषा का .....

प्रश्न : 4. समाचार पत्र पढ़ने का उपयोग क्या है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 5. समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापनों के बारे में आपके क्या विचार हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comments & Instructions

1. Improvements needed

   (a) Spellings

   (b) Grammar Points

   (c) Structures

2. General assessment of the performance.

Excellent	Very good	Good	Fair	Poor (Needs improvement)

Name of the Evaluator

Signature of the Evaluator with date

प्रश्न : 1. 'हम सब सुमन एक उपवन के' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 2. 'हम सब सुमन एक उपवन के' कविता के निम्नलिखित पदों की व्याख्या कीजिए :-

(1) एक हमारा माली, हम सब
रहते नीचे एक गगन के ।
हम सब सुमन एक उपवन के ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(2) एक सूत्र में बँधकर हमने
हार गले का बनना सीखा ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए ।

(i) पवन के पलने में झूल-झूलकर कौन पला है ।

(क) माली ☐ (ख) कवि ☐ (ग) सुमन ☐

(ii) सबके लिए सुगंध हमारी का तात्पर्य है

(क) प्रेम बाँटना ☐ (ख) उपहार बाँटना ☐ (ग) फूल बाँटना ☐

प्रश्न : 4. पद्यांश की छूटी हुई पंक्ति लिखिए।

(1) एक हमारी धरती सबकी
..... ।

(2) मिली एक ही धूप हमें है
..... ।

(3) लेकिन हम सबसे मिलकर ही
..... ।

(4) कांटों में खिलकर हम सब ने
..... ।

(5) एक सूत्र में बंधकर हमने
..... ।

प्रश्न : 5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो हिंदी पर्याय लिखिए :-

फूल ....

धरती ....

पवन ....

गगन ....

उपवन ....

Comments & Instructions

1. Improvements needed

   (a) Spellings

   (b) Grammar Points

   (c) Structures

2. General assessment of the performance.

Excellent	Very good	Good	Fair	Poor (Needs improvement)

Name of the Evaluator

Signature of the Evaluator with date

प्रश्न : 1 नमूना के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक वाक्य लिखिए। ध्यान रखें कि दोनों वाक्यों में व्यक्ति एक ही है।

नमूना : रामदास दफ्तर से लौटे। वे चारपाई पर लेट गए।
दफ्तर से लौटते ही रामदास चारपाई पर लेट गए।

(i) बच्चा स्कूल से आया। वह खेलने लगा।

.....

(ii) चोर ने पुलिस को देखा। चोर भाग गया।

.....

(iii) रीना ने दुकान में जलेबी देखी। वह पिता जी से पैसे माँगने लगी।

.....

(iv) हमको टिकट मिला। हम सीट पर बैठ गए।

.....

प्रश्न : 2 (क) निम्नलिखित हिंदी अनुच्छेद पढ़ें और इनके संक्षेपण तैयार करें :-

इस दुनिया में यही होता आया है कि सच बोलने वाला और इंसाफ की माँग करने वाला मारा जाता है। आज से हजारों साल पहले यूनान में एक दार्शनिक हुआ था। उसका नाम सुकरात था। उसकी बातें सीधी, सच्ची होती थीं। कुछ लोग उसकी बातें सही नहीं पाते थे इसके लिए उसको कानून के आदेश से जहर पीना पड़ा था। ईसा को अपने समय के सामाजिक और धार्मिक अनाचारों के विरुद्ध आवाज़ उठाने के कारण सूली पर चढ़ना पड़ा था। सांप्रदायिकता को शांत करने और हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि सभी जातियों के लोगों में भाईचारा और आपसी प्रेम फैलाने के लिए गांधी जी को अपनी जान गँवानी पड़ी थी। अमरीका में वहाँ के काले लोगों को उनके रंग और जाति के कारण होने वाले दुर्व्यवहारों से बचाने और उन्हें समाज में उचित स्थान दिलाने के लिए मार्टिन लूथर किंग ने अहिंसात्मक आंदोलन चलाया था लेकिन लूथर किंग के अहिंसात्मक आंदोलन का कोई फल न हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। आज संसार के सामने वही पुराना प्रश्न फिर खड़ा है कि "क्या दुनिया में सच बात कहने वालों और इंसाफ की माँग करने वालों का इसी प्रकार अंत होता रहेगा। जरा सोचिए, यदि इस प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में है तो मनुष्य जाति का भविष्य कितना निराशापूर्ण होगा। लेकिन इससे यह भी न समझा जाए कि सच बात कहने वाले और न्याय माँगने वाले पैदा नहीं होंगे। होंगे, और जरूर होंगे।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ख)

पर्यटकों के लिए भारत पृथ्वी का स्वर्ग है। भारत जैसी प्राकृतिक और भौगोलिक विविधता अन्य देशों में दुर्लभ है। इस देश के कई भाग ऐसे हैं जहाँ बहुत गर्मी पड़ती है और कुछ भाग ऐसे हैं जो बर्फ से ढके रहते हैं। दूर-दूर तक फैली हुई भारत की पर्वतश्रेणियाँ अपनी सुंदरता में निराली हैं। इस देश में नदियों, झीलों और सरोवरों की सुंदरता देखते ही बनती है। इसके अतिरिक्त भारत का समुद्र-तट बहुत विशाल और सुंदर है। यहाँ के अनेक स्थानों में सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य बड़ा ही मनोहर होता है। उदाहरण के लिए दार्जिलिंग, जगन्नाथपुरी आदि में सूर्योदय और द्वारका, माउंट आबू आदि का सूर्यास्त पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षक होता है। कन्याकुमारी में तो सूर्यास्त और सूर्योदय दोनों ही दर्शनीय हैं।

पर्यटकों के लिए हमारे देश में बहुत से आकर्षण हैं। कश्मीर तथा गोवा अपनी प्राकृतिक छटा और सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटकों का कहना है कि कश्मीर की घाटी जैसा सुंदर स्थान संसार में और कहीं नहीं है। बर्फीले पहाड़ों से घिरी इस घाटी के उत्तर में हिमालय की विशाल पर्वतमाला है। कश्मीर की दर्पण जैसी झीलें, चारों और फैली हरियाली, फूलों से लदी धरती, खुशबू से भरा वातावरण और कहीं नहीं मिलेगा। जबलपुर के पास नर्मदा नदी के किनारे भेड़ा घाट, संगमरमर की पहाड़ियाँ तथा धुआँधार जलप्रपात भी देखने के योग्य हैं।

ऐतिहासिक स्थलों में आगरे का विश्वप्रसिद्ध ताजमहल, दिल्ली में लाल किला, कुतुबमीनार और अशोक की लाट देखने योग्य है। दक्षिण भारत में विजयनगर तथा गोलकुंडा के किले भी देखने के योग्य हैं। महाराष्ट्र में अजंता और एलोरा की गुफाओं के भित्ति-चित्र अद्वितीय हैं।

भारत में वन्य-जीवन के प्रेमियों के लिए भी बहुत से सुंदर अभयारण्य हैं। जिनमें अनेक प्रकार के वन्य पशु-पक्षियों को उनके प्राकृतिक वातावरण में देखा जा सकता है। गिर के जंगलों के सिंह, बंगाल के बाघ और असम तथा मैसूर के हाथी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण हैं।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न : 3 (क) दो कहानियों की रूपरेखाएँ नीचे दी गई हैं। इनको पूरी कहानी के रूप में लिखिए। उचित शीर्षक भी दीजिए।

शाम का समय ..... एक दार्शनिक ..... नाव में बैठना ..... नाव का उस पार बढ़ना ..... नाविक से पूछना ..... "जानते हो दर्शनशास्त्र क्या है ?" ..... नाविक का मना करना ..... दर्शनिक – "तुम्हारा एक चौथाई जीवन बेकार है।" ..... नाविक का मौन होना ..... "जानते हो संस्कृति क्या है ?" ..... नाविक का फिर मना करना ..... "तुम्हारा आधा जीवन व्यर्थ है ।" फिर पूछना, "जानते हो साहित्य क्या है ?" नाविक का फिर मजबूरी दरसाना ..... "तुम्हारा तीन चौथाई जीवन व्यर्थ है।" ..... अचानक बादल घुमड़ना ..... तेज वर्षा और आँधी ..... नाव का डगमगाना ..... नाविक का पूछना, "बाबूजी, तैरना जानते हो ?" दार्शनिक का उत्तर – "नहीं" ..... नाविक – "तब तो तुम्हारा पूरा जीवन बेकार है।"

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) दो मित्र ..... दौलतराम अमीर, दयाराम गरीब दुकानदार ..... दयाराम का दौलतराम से वाराणसी चलने का आग्रह ..... दौलतराम का बार-बार टालना ..... एक दिन दोनों का वाराणसी प्रस्थान ..... मार्ग में एक गाँव ..... रात में एक झोंपड़ी में ठहरना ..... झोपड़ी में बुढ़िया उसका जवान बेटा और बेटे के दो छोटे बच्चे ..... सब बीमार ..... अगले दिन दयाराम का वहीं रुक जाना ..... दौलतराम का वाराणसी जाना ..... अनेक मंदिरों में देवी - देवताओं के दर्शन करना ..... एक महीने बाद वापस लौटना ..... उसी झोंपड़ी में रुकना ..... बुढ़िया से दयाराम के बारे में जानकारी लेना ..... बुढ़िया का दयाराम की भूरि-भूरि प्रशंसा करना ..... दौलतराम का सोचना ..... असली पुण्यात्मा तो दयाराम है।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comments & Instructions

1. Improvements needed

   (a) Spellings

   (b) Grammar Points

   (c) Structures

2. General assessment of the performance.

Excellent	Very good	Good	Fair	Poor (Needs improvement)

Name of the Evaluator

Signature of the Evaluator with date